गढ़ बचाने के लिए अमेठी में एक साथ उतरेंगे राहुल-प्रियंका गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी शुक्रवार को पार्टी का गढ़ कही जाने वाली अमेठी सीट के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान राहुल गांधी-प्रियंका के साथ अमेठी के कांग्रेस प्रत्याशियों के समर्थन में चुनाव अभियान में हिस्सा लेंगे। खास बात ये है कि ये उत्तरप्रदेश में राहुल का पहला चुनावी दौरा है। उत्तराखंड के पांचवें चरण के चुनाव के लिए राहुल गांधी अमेठी और प्रयागराज में कई रैलियों और रोड शो को संबोधित करेंगे। दोनों जिलों में पांचवें चरण में 27 फरवरी को मतदान होगा। पार्टी के अनुसार दोपहर करीब सवा बारह बजे बीएन सिंह इंटर कॉलेज मैदान में प्रियंका गांधी के साथ जनसभा को संबोधित करेंगे। दोपहर दो बजे विशेषर गंज मैदान में जनसभा करेंगे और करीब चार बजे पत्थरताल, प्रयागराज में कांग्रेस प्रत्याशी के लिए प्रचार करेंगे। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में अब तक एक भी चुनावी रैली को सम्बोधित नहीं किया है। हालांकि राहुल अन्य चुनावी राज्य गोवा, उत्तराखंड, पंजाब और मणिपुर में आक्रामक प्रचार कर चुके हैं। करीब 30 जनसभाओं को उन्होंने सम्बोधित किया था। जबकि यूपी के लिए राहुल गांधी ने जनवरी को शुरूआत में पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी के साथ चुनावी घोषणा पत्र जरूर जारी किया था, लेकिन अब तक प्रदेश में एक भी रैली या रोड-शो को संबोधित नहीं किया था। हालांकि इस बीच महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, उत्तर प्रदेश में पार्टी पर्यवेक्षक व छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, पार्टी सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा, पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद और इमरान प्रतापगढ़ी सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं ने कांग्रेस के लिए जमकर प्रचार अभियान में हिस्सा लिया। प्रियंका गांधी भी शुक्रवार को अमेठी सीट के कांग्रेस प्रत्याशियों के समर्थन में चुनाव प्रचार करेंगी। पार्टी के अनुसार दोपहर एक बजे राहुल गांधी के साथ जगदीशपुर में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद दोपहर ढाई बजे इंदिरा चौक रामपुर खास में जनसभा करेंगी। फिर शाम करीब 16.30 बजे महिंद्रा कोल्ड स्टोर मैदान, सलोन में जनसभा में कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन में प्रचार करेंगी।

गौरतलब है कि अमेठी सीट इंदिरा गांधी के समय से ही हॉट सीटों में शुमार रही है। कांग्रेस भले ही प्रदेश के 399 विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव लड़ रही है लेकिन उसके लिए कसौटी तो रायबरेली और अमेठी जिलों की सीटें ही होंगी। हालांकि पिछले चुनाव में गांधी परिवार के इस किले को भाजपा भेद चुकी है। यही वजह है कि इस बार के विधानसभा चुनाव में ये सीट काफी दिलचस्प बन गई है। कांग्रेस अपनी पूरी कोशिश से अपने गढ़ अमेठी को बचाने में जुटी है। इस बार राहुल गांधी और स्मृति ईरानी के बीच चुनावी जंग ने इसे और चर्चा में ला दिया था। साल 2017 में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस अमेठी की चारों सीटें हार गई थी। दो साल बाद कांग्रेस को तब करारा झटका लगा जब लगातार तीन बार यहां से सांसद चुने गए पार्टी नेता राहुल गांधी 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की स्मृति ईरानी से हार गए। लिहाजा अमेठी में कांग्रेस दोहरे दबाव में है। अठारहवीं विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस के सामने पहली चुनौती तो यह है कि वह अमेठी में अपना खाता खोलकर अपना अस्तित्व बचाए। दूसरी चुनौती यह है कि जिले में ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतकर प्रियंका की सफल कमानी पर मुहर लगाए। यही वजह है कि चुनाव का अंतिम समय तक प्रियंका और राहुल गांधी दोनों इस सीट से प्रत्याशियों के चुनाव प्रचार में जुटे हैं।

प्रियंका ने नफरत की राजनीति, धर्म के इस्तेमाल की आलोचना की

गौरा (यूपी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरुवार को राजनीति में नफरत और धर्म व जाति के इस्तेमाल की राजनीति पर निशाना साधते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि इस कहानी को बदल दिया जाए। उत्तर प्रदेश के गौरा विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान हुए उन्होंने कहा, मैं यह संदेश देने की कोशिश कर रही हूं कि राजनीति नफरत और हिंसा पर आधारित नहीं होनी चाहिए। एक नई तरह की राजनीति का समय आ गया है, जिसमें लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए काम करना चाहिए। भाजपा और अन्य राजनीतिक दलों पर हमला करते हुए प्रियंका ने कहा, लोग जाति और धर्म की राजनीति के कारण पीड़ित हैं और इस प्रकार की राजनीति से केवल कुछ राजनीतिक दलों को फायदा होता है और आम लोगों के हितों की कभी सेवा नहीं होती। उन्होंने कहा, राजनीतिक नेताओं को लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए काम करना चाहिए। प्रियंका गांधी उस वायरल वीडियो के संदर्भ में बोल रही थी, जिसमें वह भाजपा की रैली से लौट रहे लोगों पर फूल बरसाती नजर आ रही हैं और बाद में उन्हें पार्टी का घोषणापत्र बांट रही हैं। प्रतिद्वंद्वी के प्रति कोई पूर्वाग्रह नहीं दिखाने के लिए वायरल वीडियो को सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से सराहा गया है। इससे पहले उन्होंने बुलंदशहर में सपा प्रमुख अखिलेश यादव और रालोद के जयंत चौधरी के साथ शुभकामनाओं का आदान-प्रदान किया था।

चार चरणों में हो चुका है सपा, बसपा, कांग्रेस का सूपड़ा साफ : अमित शाह

बस्ती। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के पहले चार चरणों में समाजवादी पार्टी (सपा), बहुजन समाज पार्टी (बसपा) तथा कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रचंड बहुमत की सरकार बनाने जा रही है। जिले के हर्रैया विधानसभा क्षेत्र में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, बुआ (मायावती) और बबुआ (अखिलेश यादव) की पिछली सरकारों ने प्रदेश की 22 करोड़ की जनता के हितों पर चोट पहुंचाने के साथ ही यहां की अर्थव्यवस्था को सबसे निचले पायदान पर लाकर खड़ा कर दिया था। 2017 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सरकार बनाने के बाद ऐसी व्यवस्था की कि आज उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था दूसरे नंबर पर है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के अब तक के चार चरणों में सपा, बसपा तथा कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया है और भाजपा स्पष्ट जनादेश की ओर बढ़ती दिखायी दे रही है। उन्होंने कहा सपा की जब उत्तर प्रदेश में सरकार थी तो गुंडे माफियाओं का विकास हो रहा था लेकिन योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद से गुंडे, माफियाओं को जेल में जाना पड़ा और उत्तर प्रदेश विकास के रास्ते में अलग पहचान बनाई है। 2017 से पहले यहां के लोगों में भय व्याप्त रहता था लेकिन सरकार बनने के बाद से गुंडों,माफियाओं का जिस तरीके से सफाया हुआ है आज तक किसी भी पार्टी ने यह कार्य नहीं किया था क्योंकि सपा, बसपा,कांग्रेस इन लोगो को बढ़ावा देती है लेकिन अब उत्तर प्रदेश में गुंडे,माफिया नहीं चारो ओर बजरंगबली नजर आ रहे हैं।

गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास की ओर निरंतर अग्रसर है। प्रधानमंत्री तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सोच है कि विकास कार्यों को बढ़ावा दिया जाए तथा बेरोजगारी दूर कर दिया जाए। चार चरणों के चुनाव में भाजपा सबसे अधिक सीट जीत कर आ रही है इससे सपा, बसपा,कांग्रेस घबराकर पीछे भाग रही है। मतगणना होने से पहले ही सपा,बसपा,कांग्रेस अपनी हार स्वीकार कर ली है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि चार चरणों के चुनाव में जिस तरीके से मतदाताओं द्वारा भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में मतदान करके एक मजबूत नीव बनाई गई है उस मजबूत नीव पर पूर्वांचल के लोग एक अच्छी इमारत बनाने काम करेंगे। मुंडेरवा की बंद चीनी मिल को भाजपा सरकार ने चालू करके किसानों के लिए ऐतिहासिक कार्य किया है।

अब कोई आस्था से खिलवाड़ नहीं कर सकता : योगी

बाराबंकी। समाजवादी पार्टी (सपा) पर जाति धर्म के नाम पर समाज को बांटने का आरोप लगाते हुये उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले की सरकार मूर्ति विसर्जन और कांवड़ यात्रा को रोक लगाने का काम करती थी,यहां तक कि बिजली भी जाति और मजहब के नाम पर दी जाती थी मगर अब कोई माई का लाल आस्था से खिलवाड़ नहीं कर सकता। रामनगर विधानसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी शरद कुमार अवस्थी के समर्थन में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए योगी ने कहा, अगर सपा, बसपा की सरकार होती तो कोविड वैक्सीन बाजार में ब्लैक में बिक रही होती, फिर वैक्सीन गरीब लोगों को नहीं मिलती। कोरोना की तीसरी लहर कब आई, कब चली गई। किसी को पता ही नहीं चला। कितनी बड़ी-बड़ी रैली हो रही है, कोरोना गायब हो गया है।

उन्होंने कहा, बाराबंकी की जब भी बात होती है तो पवित्र लोधेश्वर धाम की भी चर्चा होती है। पहली मार्च को शिवरात्रि है। शिवरात्रि के अवसर पर पिछले पांच वर्ष के दौरान जिस धूमधाम के साथ जलाभिषेक का कार्यक्रम हुआ है पिछली सरकारों ने इसमें व्यवधान डालने का काम किया था। पूर्ववर्ती सरकारें आस्था के साथ खिलवाड़ करती थी। रामनगर में तो मां दुर्गा की मूर्ति को भी रोकने का काम होता था लेकिन बीते पांच साल में आपकी आस्था के साथ कोई खिलवाड़ करने का दुस्साहस नहीं कर पाया। कोई माई का लाल न कांवड़ यात्रा रोक सकता है न मां दुर्गा के मूर्ति विसर्जन का कार्यक्रम रोक सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा, पहले पर्व और त्योहार से पहले दंगे, फसाद और कर्फ्यू शुरु हो जाता था। फिर जो होता था वह किसी से छुपा नहीं है। जबरन मूर्ति विसर्जन को रोका जाता था और कांवड़ियों को परेशान किया जाता था। जब आप शिकायत करने जाते थे तो उल्टा आप पर ही मुकदमा दर्ज होता था लेकिन हमारी सरकार के कार्यकाल में ऐसा नहीं हुआ। किसी को भी पूजा करने से नहीं रोका गया। कांवड़ को किसी ने नहीं रोका। आज प्रदेश में दंगा नहीं होता। धूम के साथ कांवड़ यात्रा निकलती है। उन्होंने कहा, आज आपको बिजली मिल रही है। पांच साल पहले बिजली इसलिए नहीं मिलती थी क्योंकि तब बिजली की भी जाति और मजहब होता था। तब बिजली ईद और मोहर्रम पर आती थी, होली और दीपावली में बिजली की कटौती होती थी। हमने बिना भेदभाव के सभी को पर्याप्त बिजली दी।

यहां कोई प्रचार नहीं करता, लेकिन सभी को वोट चाहिए

लखनऊ। सभी को वोट चाहिए लेकिन इन इलाकों में कोई प्रचार नहीं करना चाहता। उम्मीदवार यहां दिखने से हिचकिचा रहे हैं, लेकिन फिर भी पैम्फलेट के जरिए मतदाताओं को संदेश भेजते रहते हैं। यहां तक कि वे उन्हें उपहार भी भेजते हैं, लेकिन सोच-समझकर वे वोट मांगते हैं। ये उत्तर प्रदेश के प्रमुख शहरों के रेड-लाइट क्षेत्र हैं जहां स्पष्ट कारणों से चुनाव प्रचार वर्जित है।

प्रयागराज में, मीरगंज एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें मद्रासी गली, सत्य गली, जुलाहा गली और पहाड़ी गली है जो बड़े पैमाने पर सेक्स वर्कर द्वारा बसाए गए हैं। एक सूत्र के मुताबिक, इलाके की महिलाएं स्थानीय राजनीति से वाकिफ और परिचित हैं।

एक स्थानीय व्यापारी ने कहा, यहां अभियान उन लोगों द्वारा किया जाता है जो व्यापार में शामिल हैं। वे चुनाव के दौरान विभिन्न दलों की ओर से काम करते हैं और यहां तक कि मतदान के दिन मतदान सुनिश्चित करते हैं। दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने कहा, इलाके के ज्यादातर घर सत्ताधारी दल के झंडे फहराते हैं। पुलिस कार्रवाई से बचने के लिए ऐसा किया जा रहा है। बाराबंकी जिले के सफेदाबाद में रेड लाइट एरिया को समाजवादी पार्टी का गढ़ बताया जाता है। प्रदीप यादव, अपने शुरुआती 40 के दशक से यहां रह रहे हैं।

उन्होंने कहा, हमने मोदी लहर के दौरान भी भाजपा को जीतने नहीं दिया। हम इस बार फिर से सपा को जीत दिलाएंगे। इन गलियों में करीब 800 महिलाएं रहती हैं और कोई चुनावी चर्चा नहीं होती।

एक उम्मीदवार ने कहा, ये महिलाएं यादव को वोट देंगी। उन्होंने कहा, प्रचार करने का कोई मतलब नहीं है क्योंकि कोई हमारी नहीं सुनता हैं।

क्षेत्र में नागरिक सुविधाओं की स्थिति खराब है, लेकिन किसी को इसकी परवाह नहीं है। वाराणसी में रेलवे स्टेशन से करीब आधा किलोमीटर की दूरी पर शिवदासपुर है। कचरे से पटी गलियों में रात-दिन गाने जोर-जोर से बजते रहते हैं।

महिलाओं का कहना है कि उन्होंने कभी किसी नेता को व्यक्तिगत रूप से नहीं देखा। सिर्फ टीवी पर देखा है। इसी तरह, पुराने शहर क्षेत्र में लखनऊ की चावल वाली गली में किसी भी राजनीतिक नेता ने कभी प्रचार नहीं किया। संयोग से, चावल वाली गली ने कभी चावल नहीं बेचा। उक्त गली में सदियों से सेक्स वर्कर अपना काम कर रही है।

गली का नाम कैसे पड़ा यह कोई नहीं जानता लेकिन अब यह देह व्यापार का पर्याय बन गया है। अकबरी गेट के पास स्थित, इस गली में अचार, अनोखे मसाले और स्ट्रीट फूड जैसी विभिन्न वस्तुओं की बिक्री करने वाली दुकानों को एक श्रृंखला भी है।

मतदान प्रतिशत में गिरावट से चुनाव आयोग चिंतित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के पहले तीन चरणों की तरह चौथे चरण में भी मतदान प्रतिशत में आयी गिरावट चुनाव आयोग के लिये चिंता का विषय हो सकती है मगर राजधानी लखनऊ के लोगों में मतदान को लेकर लगातार बढ़ती दिलचस्पी उन जिलों के लिये प्रेरणा स्रोत साबित होगी जहां अभी बचे हुये तीन चरणों का मतदान होना बाकी है।

निर्वाचन आयोग के मोबाइल एप 'वोटर टर्न आउट' पर उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक बुधवार मध्य रात्रि तक नौ जिलों की 59 विधानसभा सीटों पर तकरीबन 61.65 फीसदी मतदान हुआ था जो 2017 के चुनाव में इन नौ जिलो में 62.55 प्रतिशत मतदान की तुलना में तकरीबन एक फीसदी कम है। इस चरण में उन्नाव में सबसे कम 57.13 प्रतिशत वोटिंग हुयी जबकि तराई क्षेत्र में स्थित पीलीभीत में सबसे ज्यादा 67.16 फीसदी मतदान कर अन्य जिलों के लिये एक मानक स्थापित किया। अगर लखनऊ की बात करें तो 2012 से लेकर मौजूदा चुनाव तक यहां के लोगों ने मतदान के प्रति लगातार गंभीर रुख अपनाया है। वर्ष 2012 में नवाब नगरी के 56.49 प्रतिशत लोगों ने वोट की चोट की थी जबकि 2017 के विधानसभा चुनाव में मोदी लहर के बीच इस संख्या में करीब दो फीसदी का इजाफा हुआ जब 58.45 फीसदी मतदाता घरों की चाहरदिवारी लांघ कर मतदान केन्द्र पहुंचे।

मौजूदा चुनाव में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के संसदीय क्षेत्र लखनऊ में मतदाताओं ने अन्य जिलों की तुलना में औसत प्रदर्शन किया मगर अपने पिछले रिकार्ड में सुधार करते हुये इस बार 60 फीसदी से अधिक मतदाता अपने पंसदीदा उम्मीदवारों के पक्ष में वोट डालने के लिये घरों से बाहर निकले। शाम पांच बजे तक लखनऊ की नौ सीटों पर मतदान का प्रतिशत 55 फीसदी के आसपास था मगर मतदान के आखिरी एक घंटे में मतदान में खासी बढ़ोत्तरी दर्ज की गयी। लखनऊ कैंट, मलीहाबाद, बख्शी का तालाब, सरोजनीनगर, मोहनलालगंज, लखनऊ पश्चिम, लखनऊ पूर्व, लखनऊ उत्तर और लखनऊ मध्य विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं की लंबी कतारें लोकतंत्र के प्रति उनकी गंभीरता को प्रदर्शित कर रही थी। चुनाव के चौथे चरण में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा टेनी और केन्द्रीय राज्य मंत्री एवं मोहनलालगंज के सांसद कौशल किशोर के अलावा कानून मंत्री ब्रजेश पाठक, नगर विकास मंत्री आशुतोष टंडन, खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री रणवेंद्र प्रताप सिंह और कारागार मंत्री जय कुमार सिंह की प्रतिष्ठा दांव पर लगी हैं। मौजूदा चुनाव के दौरान मतदान में पिछड़े वाले उन्नाव में 2012 में 59.51 फीसदी वोट पड़े थे हालांकि 2017 में यह प्रतिशत बढ़ कर 60.54 हो गया था। इस चुनाव में मात्र 57.13 फीसदी मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर दावे वादे करने वाले जनप्रतिनिधियों और राजनीतिक दलों को सोचने पर मजबूर कर दिया है।

पिछले साल किसान आंदोलन की चपेट में आये लखीमपुर खीरी जिले की आठ विधानसभा सीटों पर इस बार 65.54 फीसदी के करीब वोट डाले गये जो 2017 के 68.47 प्रतिशत की तुलना में करीब तीन फीसदी कम है। 2012 में यहां 64.43 फीसदी मतदान हुआ था। बुंदेलखंड के बांदा जिले में हालांकि 2017 की तुलना में मतदान में कोई खास अंतर नहीं आया। 2017 में यहां 59.89 फीसदी मतदान हुआ था जबकि बुधवार को करीब 60.91 प्रतिशत लोगों ने वोट डाले। फतेहपुर में भी इस बार के चुनाव में करीब शून्य दशमलव दो प्रतिशत अधिक मतदान दर्ज किया गया। 2017 में यहां 59.89 फीसदी मतदान हुआ था वहीं इस बार का मतदान प्रतिशत 60 से कुछ अधिक रहा।

ICICI Home Finance
कार्पोरेट कार्यालय : [illegible] – 400059, भारत
शाखा कार्यालय : [illegible] 1, निकट [illegible] रोड, रायपुर – 492 001

परिशिष्ट IV-ए [illegible]
अचल सम्पत्तियों की बिक्री हेतु बिक्री सूचना

[illegible] अधिनियम, 2002 [illegible] नियमावली, 2002 के नियम 8 (6) के परंतुक के तहत अचल आस्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना। [illegible] "जैसी है जहां है", "जैसी है जो भी है" तथा "जो भी है वहां है" आधार पर नीचे दिए संक्षिप्त विवरण के अनुसार बेची जाएगी :

क्र. सं.	[illegible]	[illegible]	बकाया राशि	[illegible]	[illegible]	[illegible]
1.	[illegible] LHRPR[illegible]	[illegible]	₹ 22,91,[illegible]/- (23 फरवरी, 2022 को)	₹11,20,000/- ₹ 1,12,000/-	24 मार्च, 2022 को पूर्वा 11:00 बजे से अप 3:00 बजे तक	28 मार्च, 2022 को अप 2:00 बजे से अप 3:00 बजे तक
2.	[illegible] LHRPR[illegible]	[illegible]	₹ 30,17,[illegible]/- (23 फरवरी, 2022 को)	₹18,00,000/- ₹ 1,80,000/-	24 मार्च, 2022 को पूर्वा 11:00 बजे से अप 3:00 बजे तक	28 मार्च, 2022 को अप 2:00 बजे से अप 3:00 बजे तक
3.	[illegible] LHRPR[illegible]	[illegible]	₹ [illegible]/- (23 फरवरी, 2022 को)	₹[illegible]/- ₹ [illegible]/-	24 मार्च, 2022 को पूर्वा 11:00 बजे से अप 3:00 बजे तक	28 मार्च, 2022 को अप 2:00 बजे से अप 3:00 बजे तक
4.	[illegible] LHRPR[illegible]	[illegible]	₹ [illegible]/- (23 फरवरी, 2022 को)	₹7,00,000/- ₹ 70,000/-	24 मार्च, 2022 को पूर्वा 11:00 बजे से अप 3:00 बजे तक	28 मार्च, 2022 को अप 2:00 बजे से अप 3:00 बजे तक

[illegible] (https://sarfaesi.auctiontiger.net/EPROC/) [illegible]
[illegible] 7021072869 [illegible]
[illegible] https://www.icicihfc.com/

तिथि : 25 फरवरी, 2022
स्थान : रायपुर
प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कम्पनी लिमिटेड

सार्वजनिक सूचना

ICICI Home Finance
पंजी. कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर्स, बान्द्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बान्द्रा (ईस्ट), मुंबई-400051
कार्पोरेट कार्यालय : आईसीआईसीआई एचएफसी टावर, जे.बी. नगर, अंधेरी कुर्ला रोड, अंधेरी ईस्ट, मुंबई-400059
शाखा कार्यालय : स्काई पार्क, भू तल, यूनिट नंबर 1, निकट [illegible] रोड, रायपुर-492001

[illegible] प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 (2) [illegible]

क्र. सं.	कर्जदार/सह-कर्जदार/गारंटर का नाम (ऋण खाता संख्या) एवं पता	[illegible]	[illegible]	एनपीए तिथि
1.	[illegible] एलएचआरपीआर00001299525	[illegible]	18-01-2022 रू. 23,42,181/-	02-11-2021
2.	[illegible] एलएचआरपीआर00001351556	[illegible]	18-01-2022 रू. 15,31,888/-	03-12-2021

[illegible] प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002, के प्रावधानों के अनुसार कार्यवाही की जाएगी।

तिथि : 25-02-2022
स्थान : छत्तीसगढ़, रायपुर
प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई
होम फाइनेंस कम्पनी लिमिटेड

सार्वजनिक सूचना

ICICI Bank
शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लि., [illegible], 2280, [illegible] रोड, कोलकाता-700020 सीआईएन नंबर : एल65190जीजे1994पीएलसी021012, www.icicibank.com

[illegible] प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 (2) [illegible]

क्र. सं.	कर्जदार/सह-कर्जदार/गारंटर का नाम (ऋण खाता संख्या) एवं पता	[illegible]	[illegible]	एनपीए तिथि
1	[illegible]	[illegible] 684.77 वर्ग फीट [illegible] 684.77 वर्ग फीट)	18-01-2022 रू. 22,87,515/-	04-10-2021
2	[illegible] 491441/ [illegible]	[illegible] 356 वर्ग फीट	18-01-2022 रू. 1,95,799/-	04-11-2021
3	[illegible] 495220/ [illegible]	[illegible] 1162 वर्ग फीट [illegible]	18-01-2022 रू. 33,19,880/-	04-11-2021

[illegible] प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002, के प्रावधानों के अनुसार [illegible]

तिथि : 24 फरवरी, 2022
स्थान : छत्तीसगढ़
प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड